

• ध्वनि	आवाज, व्यंग्यार्थ।	• बिन्दी	शून्य, माथे की बिन्दी।
• नजर	दृष्टि, दया।	• बिल	चूहे का बिल, माल खरीद का बिल।
• नल	दमयन्ती का पति, पानी की मशीन।	• बुध	एक ग्रह का नाम, बुद्धिमान, देवता, सप्ताह का एक दिन।
• नाक	नासिका, स्वर्ग।	• बंशी	बाँसुरी, मछली फंसाने का काँटा।
• नागरी	चतुर स्त्री, देवनागरी लिपि।	• बट्टा	मूल्य में कटौती, सिल-बट्टा की लोढ़ी।
• नाग	हाथी, काला सर्प।	• बरी	गंगाड़ी, दोषमुक्त।
• नाना	विविध, माता का पिता।	• बैठक	ड्राइंग रूम (बैठने का कमरा), अधिवेशन, सोहबत।
• नार	गर्दन, नाड़ा, नाला।	• बौराना	पागलपन, बौर आ जाना।
• नारी	स्त्री, मोटी रस्सी, नाड़ी।	• बदली	हल्के बादल, तबादला, परिवर्तन।
• नाल	बन्दूक की नली, घोड़े की नाल।	• बरसाती	ऊपर का चारों ओर से खुला कमरा जिसमें केवल छत होती है, बरसात में पहनने का ओवर कोट (जो वाटरप्रूफ होता है), वर्षाकाल का, यथा – बरसाती मेढक।
• नित्य	प्रतिदिन, शाश्वत (सदैव)।	• भंग	टूटना, भांग।
• नग	पर्वत, रत्न, वृक्ष।	• भव	शंकर, संसार।
• निशाचर	राक्षस, गीदड़, चोर।	• भीम	एक पाण्डव, शिव, भयंकर।
• नीलकण्ठ	शिव, एक पक्षी।	• भूत	भूतकाल, प्रेत।
• पक्ष	पंख, पाख।	• भौरा	भ्रमर, लट्ठू।
• पट	वस्त्र, परदा, किवाड़।	• मंगल	एक ग्रह, एक दिन, कल्याण।
• पटना	एक नगर, तय होना, छत पटना।	• मधु	शहद, शराब, बसन्त, एक दैत्य।
• पट्टी	तख्ती, ड्रेसिंग, एक खाद्य वस्तु।	• महावीर	हनुमान, वीर, सिंह, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर।
• पतंग	सूर्य, कनकौआ, पक्षी, विष्णु।	• मित्र	सूर्य, दोस्त।
• पोत	जहाज, मोती।	• मुद्रा	अँगूठी, सिक्का।
• पात्र	बर्तन, उचित व्यक्ति, चरित्र।	• मूल	जड़, मूलधन, मुख्य।
• पत्र	चिट्ठी, पत्ता।	• मण्डल	घेरा, वृत्त, रीजन (यथा—आगरा मण्डल)।
• पद	पैर, ओहदा।	• मंगल	एक ग्रह, एक दिन, कल्याण।
• पद्म	कमल, एक पुराण का नाम, एक बड़ी संख्या।	• मूल	जड़, मूलधन।
• पर	पंख, परन्तु।	• मूक	गूँगा, विवश।
• पय	दूध, जल, ओज, अन्न।	• महाजन	सूदखोर, साहूकार, बड़ा आदमी, एक जाति विशेष।
• परी	अप्सरा, लेटी, द्रव पदार्थ नापने की छोटी-सी परी (उपकरण)।	• महावीर	हनुमान, जैन तीर्थंकर, विष्णु, गरुड़, वज्र।
• पुष्कर	एक तीर्थ-स्थल, कमल, तालाब।	• मित्र	सूर्य, दोस्त।
• पाग	चाशनी, पगड़ी।	• मुद्रा	अँगूठी, सिक्का, भावमुद्रा।
• पानी	जल, आब, इज्जत।	• मद	नशा, मस्ती, अहंकार, कस्तूरी।
• पास	उत्तीर्ण, निकट, स्वीकृत।	• मोहर	सील (ठप्पा), छापा, अशर्फी।
• पुतली	आँख की पुतली, कठपुतली।	• मोर	मयूर, मेरा।
• पयोधर	बादल, स्तन, नारियल।	• योग	जोड़, योग साधना।
• प्रत्यय	बाद में जुड़ने वाला शब्द, विश्वास, ज्ञान।	• रंग	वर्ण, मौज-आनन्द।
• पृष्ठ	पीठ, पन्ना, पीछे का भाग।	• रस	काव्यानन्द, जूस।
• फल	परिणाम, फल-फ़ूट।	• राशि	ढेर, राशियाँ।
• बलि	दैत्यराज बलि, न्योछावर।	• रास	लगाम, रासलीला, एक नृत्य।
• बाग	उपवन, लगाम।	• रूपक	एक अलंकार, नाटक।
• बार	केश, दफा।	• रसाल	आम, रसीला, ईख।
• बाल	बच्चा, केश।		
• बाली	सुग्रीव का भाई, गेहूँ आदि की बाली (बाल)।		

- राय मत, एक उपाधि (रायसाहब)।
- रूढ़ प्रसिद्ध अर्थ (रूढ़ अर्थ), अविभाज्य (रूढ़ संख्या), आरुढ़।
- लगन शुभ मुहूर्त, प्रेम, धुन।
- लाल पुत्र, लाल रंग, माणिक्य।
- लंगर जहाज का लंगर (रुकना), गुरुद्वारों का लंगर (जहाँ भोजन बँटता है) निशुल्क।
- वंश बाँस, कुल।
- वत्स पुत्र, बछड़ा।
- वर श्रेष्ठ, दूल्हा, वरदान।
- वर्ण रंग, अक्षर, उच्च वर्ण, निम्न वर्ण (जाति)।
- विधि विधाता, ढंग।
- विवर बिल, गड्ढा, गुफा।
- वृंदा तुलसी, राधा।
- व्यंजन व्यंजन वर्ण, खाद्य व्यंजन।
- व्यास त्रिज्या (radius) का दुगुना, एक ऋषि, कृष्ण द्वैपायन व्यास (वेदव्यास)।
- वृत्त गोल घेरा, वृत्तांत, छन्द (वर्ण वृत्त)।
- विग्रह शरीर, समास-विग्रह, मूर्ति (देव विग्रह)।
- वास निवास, दुर्गन्ध।
- बिहार एक प्रदेश, बौद्ध भिक्षुओं के मत।
- वृक भेड़िया, गीदड़, कौवा, उल्लू, चोर, बज्र, एक असुर।
- वर्ग कक्षा, एक आयत जिसकी सभी भुजाएँ समान होती हैं।
- वाद सिद्धांत, तर्क, दावा (मुकदमा)।
- विषय गणित, साहित्य आदि विषय (Subject) इन्द्रिय ग्राह्य पदार्थ।
- शिखी मोर, ब्राह्मण, पर्वत, अग्नि।
- शेर सिंह, उर्दू के शेर।
- श्याम काला, श्रीकृष्ण।
- शाल एक वृक्ष, ऊनी या रेशमी चादर।
- शुद्ध स्वच्छ, पवित्र, साफ, ठीक।
- शूर वीर, योद्धा, विष्णु, सिंह।
- श्री शोभा, लक्ष्मी, सम्पत्ति।
- श्रुति वेद, कान।
- सर सरोवर, बाण, प्रमुख (यथा—सरपंच)।
- सन्धि जोड़, दरार, नाट्य सन्धियाँ, मेल (दो वर्णों का मेल)।
- स्वरंग मोर, हिरन, सिंह, हाथी, भ्रमर, कोयल आदि।
- सुदर्शन भगवान विष्णु का चक्र, सुन्दर, मछली, जामुन।
- सुधा अमृत, दूध, जल, शहद।
- सैधव घोड़ा, नमक।
- सोम स्वर्ण, शयन करना।
- स्नेह घृत, तेल, प्रेम।
- सुरभि गाय, सुगन्ध, शराब, तुलसी।

- सोना चन्द्रमा, एक देवता।
- हार पराजय, माला।
- हंस सूर्य, एक पक्षी।
- हर हरण करना, शिवजी।
- हरि विष्णु, इन्द्र, सूर्य, सिंह।
- हल साधान, खेत जोतने का हल।
- हेम स्वर्ण, धतूरा।
- हस्ती हाथी, हैसियत।
- हलधर बलराम, बैल, किसान।

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

कौन-सा अर्थ दिये गये शब्द का नहीं है—

- सारंग—
 - (a) धनुष (b) हिरन
 - (c) मेघ (d) कृष्ण
 उत्तर—(d) कृष्ण

YUKTI ज्ञान—धनुष, हिरन, मेघ है, परन्तु सारंग का अर्थ कृष्ण नहीं है।

- सुरभि—
 - (a) गाय (b) सुगन्ध
 - (c) मदिरा (d) चन्द्रमा
 उत्तर—(d) चन्द्रमा

YUKTI ज्ञान—सुरभि = गाय, सुगन्ध, मदिरा है परन्तु सुरभि का अर्थ चन्द्रमा नहीं है।

- स्नेह—
 - (a) बुढ़ापा (b) घृत
 - (c) तेल (d) प्रेम
 उत्तर—(a) बुढ़ापा

YUKTI ज्ञान—स्नेह = तेल, घृत, प्रेम है परन्तु स्नेह का अर्थ बुढ़ापा नहीं है।

- सुधा—
 - (a) अमृत (b) सागर
 - (c) दूध (d) जल
 उत्तर—(b) सागर

YUKTI ज्ञान—सुधा = अमृत, दूध, जल है परन्तु सुधा का अर्थ सागर नहीं है।

- सुदर्शन—
 - (a) सुदर्शन चक्र (b) सुन्दर
 - (c) मछली (d) सर्प
 उत्तर—(d) सर्प

YUKTI ज्ञान—सुदर्शन = सुदर्शन चक्र, मछली, सुन्दर है परन्तु सुदर्शन का अर्थ सर्प नहीं है।

- दण्ड—
 - (a) जुमाना (b) सजा

- (c) डण्डा (d) जेल

उत्तर—(d) जेल

YUKTI ज्ञान—डण्डा, जुर्माना, सजा है परन्तु दण्ड का अर्थ जेल नहीं है।

7. तात—

- (a) बेटा (b) स्त्री
(c) पिता (d) गुरु

उत्तर—(b) स्त्री

YUKTI ज्ञान—तात-बेटा, पिता, गुरु के लिए प्रयुक्त शब्द है पर स्त्री के लिए नहीं।

8. तरणि—

- (a) सूर्य (b) नौका
(c) सूर्य और नौका दोनों (d) गंगा

उत्तर—(d) गंगा

YUKTI ज्ञान—तरणि = सूर्य, नौका, है परन्तु गंगा नहीं है।

9. जनक—

- (a) पिता (b) सीता के पिता
(c) विदेहराज (d) लंकापति

उत्तर—(d) लंकापति

YUKTI ज्ञान—जनक = सीता के पिता, विदेहराज, पिता के लिए प्रयुक्त होता है परन्तु लंकापति के लिए नहीं।

10. गोपाल—

- (a) वसुदेव (b) कृष्ण
(c) अहीर (d) ग्वाला

उत्तर—(a) वसुदेव

YUKTI ज्ञान—गोपाल = कृष्ण, ग्वाला, अहीर परन्तु वसुदेव के लिए यह प्रयुक्त नहीं होगा।

11. 'स्नेह' के दो अर्थ हैं—

- (a) प्रेम, तेल (b) गंगा, यमुना
(c) पृथ्वी, आकाश (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a) प्रेम, तेल

YUKTI ज्ञान—प्रेम, तेल परन्तु स्नेह = गंगा, यमुना या पृथ्वी आकाश नहीं है।

12. 'श्रुति' के दो अर्थ हैं—

- (a) स्मृति, सुषुति (b) वेद, कान
(c) चन्द्रमा, सोमरस (d) अमृत, विष

उत्तर—(b) वेद, कान

13. 'वास' के दो अर्थ हैं—

- (a) सुगन्ध, आवास (b) मकान, छत
(c) निवास, दुर्गन्ध (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c) निवास, दुर्गन्ध

14. 'वर्ण' के दो अर्थ हैं—

- (a) रंग, अक्षर (b) विधाता, विष्णु
(c) शंकर, कामदेव (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a) रंग, अक्षर

15. सैंधव के दो अर्थ हैं—

- (a) नमक, बोंड़ा (b) रथ, सारथी
(c) हाथी, घोड़ा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a) नमक, घोड़ा

4.7 वाक्यांश के लिए एक शब्द

कम-से-कम शब्दों में अपनी बात कहने के लिए ऐसे शब्द प्रयुक्त किये जाते हैं, जो किसी वाक्यांश के अर्थ को पूरी तरह व्यक्त करने में समर्थ होते हैं। यहाँ ऐसे शब्दों की सूची प्रस्तुत है, जो वाक्यांश के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं—

- अतिथि जिसके आने की कोई तिथि (पहले से) पता न हो।
- अज्ञ जो कुछ भी नहीं जानता हो।
- अल्पज्ञ जो बहुत कम जानता हो।
- अप्रत्याशित जिसकी आशा न की गई हो।
- आशातीत आशा से अधिक।
- अधिनियम विधायिका द्वारा स्वीकृत नियम।
- अनित्य जो नित्य न हो (नाशवान)।
- अध्यादेश निश्चित अवधि के लिए लागू किया गया आदेश।
- अतुलनीय जिसकी तुलना न की जा सके।
- अनुपम जिसकी उपमा न की जा सके।
- अपठित जो पहले पढ़ा हुआ न हो।
- अपठनीय जिसे पढ़ा न जा सके।
- अस्तबल जहाँ घोड़े बाँधे जाते हैं।
- अस्त्रागार जहाँ अस्त्र रखे जाते हैं।
- अंतेवासी वे शिष्य जो आचार्य के पास (गुरुकुल) में रहते हैं।
- अप्सरा स्वर्ग की सुन्दरी।
- अगोचर जो इन्द्रियों से परे हो।
- अविवेकी जिसे भले-बुरे का ज्ञान न हो।
- आपादमस्तक पैर से लेकर मस्तक तक।
- अन्तरिक्ष धरती और आकाश के बीच का स्थान।
- आधुनिक जिसकी सोच नए जमाने की हो।
- अनाहूत जिसे बुलाया न गया हो।
- अद्वितीय जिसके समान कोई दूसरा न हो।
- अनिर्वचनीय जिसे वाणी द्वारा व्यक्त न किया जा सके।
- अभूतपूर्व जैसा पहले कभी न हुआ हो।
- अजातशत्रु जिसका कोई शत्रु उत्पन्न ही न हुआ हो।
- अन्तर्यामी जो मन की बात जानता हो।
- आध्यात्मिक जिसका सम्बन्ध अध्यात्म से हो।

आत्मिक	जिसका सम्बन्ध आत्मा से हो।
अप्रवासी	देश का वह व्यक्ति जो विदेश में रहता हो।
अपव्ययी	व्यर्थ का खर्च करने वाला।
अयाचित	जिसकी याचना न की गयी हो।
आजानुबाहु	घुटनों तक लम्बी बाँहों वाला।
आलोचक	गुण-दोष का विवेचक।
अन्त्यज	जिसका जन्म निम्न वर्ण में हुआ हो।
अधोहस्ताक्षरी	जिसके नीचे हस्ताक्षर हैं।
अनुवाद	एक भाषा के भाव-विचार दूसरी भाषा में व्यक्त करना।
अनामिका	कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अँगुली।
अधिसूचना	सरकारी गजट में छपी सूचना।
अपराह्न	दोपहर के बाद का समय।
अपरिहार्य	जिसका परिहार करना सम्भव न हो।
अनायास	बिना प्रयास के।
अग्रज	पहले जन्म लेने वाला।
अनुज	पीछे (बाद में) जन्म लेने वाला।
आशुकवि	जो तुरंत कविता कर सके।
अवज्ञा	आदेश की अवहेलना।
अभियुक्त	जिस पर अभियोग लगाया गया हो।
अपराधी	जिसका अपराध सिद्ध हो गया हो।
अपरिग्रह	आवश्यकता से अधिक ग्रहण न करने की वृत्ति।
आक्रान्ता	जिसने आक्रमण किया हो।
आद्योपान्त	आदि से अन्त तक।
अंकशायिनी	वह स्त्री जो (पति या नायक की) गोद में सोती है।
अश्वारोही	घोड़े पर सवार व्यक्ति।
अपारदर्शी	जिसके आर-पार न देखा जा सके।
अस्त्र	फेंककर चलाया जाने वाला हथियार।
अवैध	जो विधिसम्मत न हो।
अवध्य	जो वध करने योग्य न हो।
अनिश्चित	जिसके बारे में कुछ निश्चित हो।
अच्युत	जो कभी च्युत (स्थान से गिरना) न हुआ हो।
अनुगामी	पीछे चलने वाला।
अनर्घ्य	जिसकी कीमत कम हो।
अणिमा	वह सिद्धि जिससे शरीर को अत्यंत सूक्ष्म (छोटा) बनाया जा सके।
अकथित	जो कहा न गया हो।
अटल	जो अपनी बात से न टले।
अनिवार्य	जिसका निवारण न किया जा सके।
अजेय	जिसे जीता न जा सके, न जीतने योग्य।
अनुर्वर	जिस जमीन में कुछ उपजता न हो।
आग्नेयी	पूर्व-दक्षिण के बीच की दिशा, अग्नि की पत्नी (स्वाहा)

आजीवन	जीवन पर्यन्त
अंतर्कथा	कथा (या प्रसंग) के बीच में आने वाली कथा।
अंडज	जो अंडे से जन्म लेता है।
आप्तकाम	जिसकी सभी कामनाएँ पूर्ण हो चुकी हों।
आद्यंत	आदि से अंत तक।
आमंत्रित	जिसे किसी ने निमंत्रित किया हो।
आसेतु हिमालय	सेतुबंध (रामेश्वर) से लेकर हिमालय तक।
आबालवृद्ध	बालक से वृद्ध तक सभी।
आगतपतिका	वह नायिका (स्त्री) जिसका पति परदेश से आ गया हो।
अंतक	जीवन का अंत करने वाला (यमराज)।
अंजलिका	हाथ जोड़कर प्रणाम करने की क्रिया।
अंतपुर	राजमहल के भीतर का भाग (रनिवास)।
अंतरिम	दो कालों के बीच का समय।
अंतेवासी	गुरु के समीप (आश्रम में) रहने वाला छात्र।
आयात	विदेश से सामान मँगाना।
इन्दीवर	नीले रंग का कमल।
ईशान	उत्तर-पूर्व के बीच का कोण (दिशा)।
ईर्ष्यालु	जो दूसरों से ईर्ष्या करता है।
इन्द्रजीत	जिसने इन्द्र को जीत लिया हो।
इन्द्रियातीत	इन्द्रियों से परे।
इतिवृत्त	वह कथा जो क्रमानुसार हो।
इहलौकिक	जो इस लोक से सम्बन्धित हो।
ईप्सा	मन की इच्छा।
इच्छुक	मन में कोई इच्छा रखने वाला।
इन्द्र	देवताओं में जो श्रेष्ठ है (सुरेन्द्र)।
इमामवाड़ा	ताजिए रखने की जगह।
इमाम	मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाला।
ऊसर	जिस भूमि में कुछ भी पैदा न होता हो।
उर्वर	उपजाऊ भूमि।
उरग	छाती के बल चलने वाला।
उदयाचल	वह पर्वत जहाँ से सूर्य उदित होता है।
उच्छिष्ट	भोजन के बाद बची जूठन।
उक्लण	जिसने ऋण चुका दिया हो।
उपर्युक्त	ऊपर कहा हुआ।
उपरिलिखित	ऊपर लिखा हुआ।
उल्लेख	ऊपर लिखा गया लेख।
उभयनिष्ठ	जिसकी निष्ठा दोनों ओर हो।
उपकृत	किसी के उपकार से दबा हुआ।
उद्धारक	उद्धार करने वाला।
उदारमना	जिसका मन उदार हो।

• उषाकाल	अरुणोदय पूर्व की लालिमा का समय।	• गोचर	जहाँ तक इन्द्रियों की पहुँच हो।
• उपमान	जिससे उपमा दी जाय।	• गेय	जिसे गाया जा सके।
• उपमेय	जिसकी उपमा उपमान से दी जाए, उपमा देने योग्य।	• गोधूलि	संध्या और रात्रि के बीच की वेला।
• उपासक	जो उपासना करता है।	• गंगोत्री	गंगा का उद्गम स्थल।
• उपास्य	जिसकी उपासना की जाए, उपासना करने योग्य।	• गूंगा	जो बोल न सके।
• उपकारी	जो उपकार करने की वृत्ति रखता है।	• गणिका	शरीर बेचने वाली स्त्री (वेश्या)।
• उद्भिज	धरती फोड़कर जन्म लेने वाला (वृक्ष)।	• ग्रामीण	गाँव का निवासी।
• उपादान	वह सामग्री जो वस्तुओं के निर्माण में काम आती है।	• गोपनीय	छिपाने योग्य विषय या बात।
• उत्क्षिप्त	ऊपर की ओर फँका गया।	• गुरुत्वाकर्षण	पृथ्वी की वह शक्ति, जिससे वह किसी वस्तु को अपनी ओर खींचती है।
• उच्चतम	जो सबसे ऊँचा (बड़ा) हो।	• गीतिनाट्य	अभिनय एवं गायन के द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली नाट्य रचना।
• उच्छ्वास	ऊपर की ओर आने (ली जाने) वाली सांस।	• गगनचुंबी	आकाश को छूने वाला (बहुत ऊँचा)।
• ऊर्ध्वगामी	ऊपर की ओर जाने वाला।	• गांगेय	गंगा के पुत्र (भीष्म या देवव्रत)।
• ऐरावत	इन्द्र का हाथी।	• गुरुडम	दूसरों से पूजा करवाने की वृत्ति।
• ऐन्द्रिक	जिसका सम्बन्ध इन्द्रियों से हो।	• गुरुमुखी	पंजाबी भाषा की लिपि।
• एकपक्षीय	एक पक्ष से सम्बन्धित।	• गीतिरूपक	वह रूपक जिसमें गद्य रूप कम हो, गेयता अधिक हो।
• एकाक्षी	एक आँख वाला।	• गीतिकाव्य	वह काव्य जिसमें गीति तत्व (गेयता) अधिक हो।
• ऐहिक	जो इस लोक से सम्बन्धित हो।	• घृणित	जो घृणा का पात्र हो।
• कसेरा	बर्तन बेचने वाला।	• घृणास्पद	जो घृणा के योग्य हो।
• कुशाग्र	तीव्र बुद्धि वाला।	• घूसखोर	घूस (रिश्वत) लेने वाला व्यक्ति।
• कूपमण्डूक	बहुत कम जानने वाला, अपने स्थान पर सीमित।	• घसियारा	घास खोदकर जीवन-यापन करने वाला व्यक्ति।
• कृतसंकल्प	जिसने संकल्प किया है।	• घनश्याम	बादल की तरह रंग वाला (कृष्ण)
• कृतज्ञ	उपकार को मानने वाला।	• चक्रवात	चक्राकार घूमती तेज हवाएँ।
• कृतघ्न	उपकार को न मानने वाला।	• चन्द्रशेखर	जिसके मस्तक पर चन्द्रमा हो।
• किंकर्तव्यविमूढ़	जिसे कर्तव्य का बोध न हो।	• चिरंतन	जो चिरकाल से चला आ रहा है।
• कुलटा	चरित्रहीन स्त्री।	• चिन्तनीय	चिन्ता करने योग्य।
• कली	बिना खिला फूल।	• चिरंजीव	जो चिरकाल तक जीवित रहे।
• कुमारी	अभी जिसका विवाह न हुआ हो ऐसी कन्या।	• चम्पू	गद्य-पद्य मिश्रित रचना।
• कुलीन	जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो।	• चन्द्रमौलि	जिसके मस्तक पर चन्द्रमा हो।
• कुलांगार	कुल को नष्ट (या कलंकित) करने वाला।	• चिह्नित	जिस पर चिन्ह लगाया गया हो।
• कृतार्थ	जिसने अपना कर्तव्य कर लक्ष्य प्राप्त कर लिया हो।	• चतुष्पद	जिसके चार पैर हों (जानवर)।
• कृतकृत्य	कार्य पूरा करने पर जो प्रसन्न हो।	• चतुष्पथ	चार रास्ते जहाँ मिलते हैं।
• खाद्यान्न	खाने योग्य अन्न।	• चर्चित	जो चर्चा का विषय हो।
• खण्डित	जिसका कोई भाग टूट गया हो।	• चितचोर	चित्त को चुराने वाला।
• खण्डिता	वह नायिका, जिसका पति किसी अन्य स्त्री के साथ रात बिताकर प्रातःकाल रमण के चिह्नों से युक्त होकर घर लौटा हो।	• चतुर्वेदी	चारों वेदों को जानने वाला।
• खग्रास	ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक गया हो।	• छापामार	छिपकर आक्रमण करने वाला।
• खाद्य	जो खाने योग्य हो।	• छिद्रान्वेषी	दूसरों के दोष ढूँढ़ने वाला।
• खेचर	जो आकाशचारी हो।	• जिजीविषा	जीवित रहने की इच्छा।
• खड्गहस्त	जो सदैव हाथ में तलवार रखता हो।	• जिज्ञासा	जानने की इच्छा।
• गरिष्ठ	शीघ्र न पचने वाला भोजन।		

• जिगीषा	जीतने की इच्छा।
• जलचर	जल में रहने वाला प्राणी।
• जठराग्नि	पेट की वह आग जो भोजन को पचाती है।
• जनश्रुति	लोगों से सुनी हुई बात।
• जितेन्द्रिय	जिसने इन्द्रियों को जीत लिया हो।
• जलद	जल बरसाने (देने) वाला।
• टकसाल	जहाँ सिक्के ढाले जाते हैं।
• त्रिवेणी	गंगा, यमुना, सरस्वती (नदियों) का संगम।
• तस्कर	चोरी-छिपे माल ले जाने वाला।
• त्रैमासिक	जिसकी आवृत्ति तीन महीने में एक बार होती हो।
• तीर्थकर	ज्ञान में प्रवेश का मार्गदर्शन करने वाला।
• त्रिकालदर्शी	भूत, भविष्य, वर्तमान तीनों कालों को देख सकने वाला।
• त्यागपत्र	पद-त्याग हेतु भेजा गया पत्र।
• तितीर्षा	तैरने की इच्छा।
• तुलनीय	तुलना करने योग्य।
• तुरंग	वेग से चलने वाला (घोड़ा)।
• तटस्थ	निष्पक्ष रहने वाला।
• तत्त्वबोधिनी	वह साधना जिसके द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त हो सके।
• त्याज्य	जो त्यागने योग्य हो।
• तूणीर	बाण रखने का खोल (तरकस)।
• त्राता	जिसने किसी आर्त व्यक्ति की पुकार सुनकर उसकी रक्षा की हो।
• दुराचारी	जो बुरा आचरण करता है।
• दुर्बोध	जो कठिनाई से समझ में आए।
• दुराग्रह	अनुचित बात के लिए किया गया आग्रह।
• दुःसाध्य	जिसका उपचार कठिन हो।
• दुर्यसनी	जिसमें तमाम व्यसन हों।
• दुष्कर	जिसे कर पाना कठिन हो।
• दावाग्नि	वन (जंगल) में लगने वाली आग।
• दुस्तर	जिसे पार करना कठिन हो।
• दुर्दम्य	जिसका दमन करना कठिन हो।
• दम्पति	पति-पत्नी का युग्म।
• दत्तक	जिसे गोद लिया गया हो।
• दुर्निवार	जिसका निवारण करना कठिन हो।
• दुर्गम	जहाँ जाना (पहुँचना) कठिन हो।
• दुर्भिक्ष	वह समय जब कठिनाई से भिक्षा मिलती है (काल)।
• दामोदर	जिसके पेट में, माँ ने रस्सी बाँध दी हो (कृष्ण)।
• दुभाषिया	दोनों पक्षों (व्यक्तियों) की भाषा समझकर एक-दूसरे की भाषा में अनुवाद करके समझाने वाला।
• देवनागरी	हिन्दी भाषा की लिपि

• दावानल	जंगल में लगने वाली आग।
• दीक्षांत	दीक्षा के अंत में होने वाला समारोह।
• दौहित्र	पुत्री का पुत्र।
• दौहित्री	पुत्री की पुत्री।
• द्विपद	दो पैरों वाला (आदमी)
• दिदृक्षा	देखने की इच्छा।
• दित्सा	देने की इच्छा।
• दुर्भाग्या	जिस स्त्री का भाग्य खराब हो।
• द्विपायन	जिसका जन्म द्वीप पर हुआ हो।
• द्विवेदी	दो वेदों का जानकार।
• दुरभिसंधि	दुष्टता से की गई साजिश।
• दशानन	दश आनन वाला (रावण)।
• दुष्पाच्य	जो कठिनाई से पचता हो।
• द्रुतगामी	तीव्र गति से चलने वाला।
• दुर्लभ	जो कठिनाई से प्राप्त हो।
• दीर्घसूत्री	जो विलम्ब से काम करे।
• धर्मादा	धर्म के लिए दिया जाने वाला धन।
• धर्मशाला	जहाँ यात्रियों को निःशुल्क ठहराया जाता हो वह स्थान।
• धनुर्धारी	धनुष को धारण करने वाला।
• धीरोदात्त	ऐसा नायक जिसमें धैर्य के साथ-साथ उदात्त गुण हों।
• ध्रुव	जो अपने स्थान पर अटल रहे।
• नवोद्धा	ऐसी नायिका जिसमें लज्जा की अधिकता हो।
• नववधू	ऐसी स्त्री जिसका विवाह अभी हुआ हो।
• निरापद	जिससे कोई हानि न हो।
• निशीथ	अर्द्धरात्रि का आकाश।
• निर्निमेष	बिना पलक झपकाए एकटक देखना।
• नास्तिक	जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता हो।
• निर्विकार	जो विकार रहित हो।
• नश्वर	जो नाशवान हो।
• नवजात	जो अभी (नया-नया) उत्पन्न हुआ है।
• निर्मम	जो ममता से रहित हो।
• निर्वय	जो दया से रहित हो।
• निर्धन	जो धन से रहित हो।
• निन्दनीय	जो निन्दा करने योग्य हो।
• निशाचर	जो रात्रि में विचरण करता हो।
• निरुद्देश्य	जिसका कोई उद्देश्य न हो।
• निरुत्साह	जिसमें उत्साह न हो।
• नीतिज्ञ	जो नीति का ज्ञाता हो।
• निर्जीव	जिसमें जीवन न हो।

• निर्मत्सर	जिसके मनमें मत्सर (ईर्ष्या) न हो।	• बहिष्कृत	जिसे जाति या समाज से बाहर निकाल दिया गया हो।
• नवोदित	जिसका उदय अभी हाल में हुआ हो।	• बीतराग	जो सभी राग-द्वेषों से मुक्त हो।
• निस्पृह	जिसमें कोई स्पृहा (इच्छा) न हो।	• ब्रह्ममुहूर्त	सूर्योदय से पूर्व की दो घड़ी का समय।
• नेपथ्य	रंगमंच पर पर्दे के पीछे का स्थान।	• भूतपूर्व	जो पहले (पद पर) था।
• निःसंतान	जिसके कोई संतान ही न हो।	• भूगर्भवेत्ता	जिसे पृथ्वी के भीतर की जानकारी हो।
• निःशुल्क	जिस काम के लिए कोई शुल्क न दिया (लिया) जाय।	• भैरवी	प्रातःकाल गायी जाने वाली रागिनी।
• ननिहाल	नाना-नानी का घर।	• भुक्तभोगी	जो किसी स्थिति को पहले भोग चुका हो।
• नासेतुद	जिसके शरीर पर आघात न लगे।	• मध्याह्न	दोपहर का समय।
• निरीस	जो बड़ों का आदर करना न जानता हो।	• मुमुक्षु	मोक्ष का इच्छुक।
• परिव्राजक	घूमने-फिरने वाला साधु।	• मद्यप	शराब पीने वाला।
• परकीया	परपुरुष से प्रेम करने वाली स्त्री।	• मृत्युंजय	जिसने मृत्यु को जीत लिया हो।
• पदच्युत	जिसे पद से हटा दिया गया हो।	• मरुस्थल	जहाँ केवल रेत हो।
• पाण्डुलिपि	पुस्तक का हाथ से लिखा गया मसौदा।	• मूकदर्शी	चुपचाप (बिना हस्तक्षेप किये) देखने वाला।
• परोक्ष	जो प्रत्यक्ष न हो।	• मेघनाद	मेघ के समान नाद (गर्जना) करने वाला।
• प्रत्यक्ष	जो आँख के सामने हो।	• महात्मा	जिनकी आत्मा महान हो।
• पारदर्शी	जिसके आर-पार देखा जा सके।	• मृगनयनी	मृग जैसे नेत्रों वाली।
• पथ्य	रोगी का भोजन।	• मितव्ययी	सीमित व्यय करने वाला।
• पथभ्रष्ट	जो अपने पथ (लक्ष्य) से भटक गया हो।	• मातृहन्ता	माता को मारने वाला।
• पाशविक	पशुओं जैसा आचरण करने वाला।	• मृदुभाषी	मृदु वचन बोलने वाला।
• पेय	जिसे पिया जा सके।	• मधुभाषी	मधुर वचन बोलने वाला।
• पैतृक	जो पिता से प्राप्त हो।	• मुमूर्षा	मरने (मृत्यु) की इच्छा।
• प्रदोष	रात्रि का प्रथम प्रहर।	• मनोवृत्ति	मन की वृत्ति।
• पाथेय	रास्ते का भोजन जो यात्री साथ लाते हैं।	• महत्वाकांक्षी	जिसकी इच्छाएँ बहुत हों।
• प्रवासी	देश का वह व्यक्ति जो परदेश में रहता हो।	• मेघनाद	मेघ की तरह नाद करने वाला।
• प्रत्युत्पन्नमति	जिसे तुरन्त उत्तर सूझ जाए।	• मेधावी	असाधारण मेधा (बुद्धि) वाला व्यक्ति।
• प्रत्यागत	जो लौट गया हो।	• मातृहन्ता	माता की हत्या करने वाला।
• पृष्टव्य	जो पूछने योग्य हो।	• महामना	जिसका मन महान हो।
• प्रधानमंत्री	मंत्रियों में प्रधान (Prime Minister)	• मीनाक्षी	मीन जैसे नेत्रों वाली।
• प्रोषितपतिका	जिस नायिका (स्त्री) का पति परदेश गया हो।	• मुख्यमंत्री	किसी प्रदेश के मंत्रियों का प्रधान (मुख्य)।
• प्राध्यापक	प्रकृष्ट (बड़ा) अध्यापक जो किसी कालेज या विश्वविद्यालय में पढ़ाता हो।	• मुकदमेबाज	जो मुकदमा लड़ता रहता हो।
• प्रयोगशाला	वैज्ञानिक प्रयोग जहाँ किए जाते हैं, वह स्थान।	• माननीय	जो मान के योग्य हो।
• पेय	जो पीने योग्य हो।	• यायावर	निरन्तर यात्रा करते रहने वाला व्यक्ति।
• बंध्या	ऐसी स्त्री जो सन्तान को जन्म ही न दे सके।	• युयुत्सा	युद्ध की इच्छा।
• बेरोजगार	जो किसी भी रोजगार से रहित हो।	• युधिष्ठिर	युद्ध में स्थिर (बुद्धि) रहने वाला।
• बहुभाषाविद्	बहुत सारी भाषाओं को जानने वाला।	• युगद्रष्टा	अपने युग का ज्ञान रखने वाला।
• बड़वाग्नि	समुद्र में लगने वाली आग।	• यूप	बलि पशु को बाँधने वाला खम्भा।
• बहुश्रुत	ऐसा व्यक्ति जिसने बहुत से शास्त्र सुने हैं।	• यथाविधि	विधि के अनुसार।
• बहुमूल्य	जिसका मूल्य बहुत अधिक हो।	• यौवन	युवा होने की अवस्था।
• बेखबर	जिसे किसी बात की खबर न हो।	• यशस्वी	यश प्राप्त व्यक्ति।
		• युद्धपोत	नौसेना का जहाज।

• यथासाध्य	जहाँ तक सध सके।	• विधिप्रदत्त	विधि द्वारा प्रदत्त।
• यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार।	• विधिसंगत	जो विधि द्वारा उपयुक्त (संगत) ठहराया गया हो।
• युयुत्सु	युद्ध का इच्छुक।	• विजित	जो जीत लिया गया हो।
• रोमांचकारी	जिसे देखकर रोमांच हो जाए।	• वायुयान	वायु में चलने वाला यान।
• रंगशाला	जहाँ बैठकर नाटक देखा जाता है।	• वाहक	सामान ढोने वाला व्यक्ति।
• राजस्व	कर से प्राप्त सरकारी धन।	• व्याख्याता	जो किसी विषय की व्याख्या करे।
• रत्नोंधी	रात में दिखाई न देने वाला रोग।	• व्यभिचारी	परस्त्री से अनुचित सम्बन्ध रखने वाला।
• राजपत्र	सरकार द्वारा प्रकाशित गजट।	• शरणागत	जो शरण में आया हो।
• राष्ट्रपति	किसी देश का सबसे बड़ा राज्याधिकारी (President)।	• शरणार्थी	जो शरण का इच्छुक (प्रार्थी) हो।
• रंगमंच	जहाँ नाटक का मंचन होता है।	• शासकीय	जिसका सम्बन्ध शासन से हो।
• रेचक	खाली करने वाला/वाली।	• शाश्वत्	जो सदैव रहता है।
• रिक्थ	उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति।	• शताब्दी	सौ वर्ष का समय।
• राजद्रोह	राजा/राज्य के प्रति किया गया द्रोह।	• शैव	भगवान शिव का भक्त (उपासक)।
• रक्तरंजित	रक्त से सना हुआ।	• शाक्त	जो शक्ति का उपासक (भक्त) हो।
• राजनीतिज्ञ	राजनीति की जानकारी रखने वाला।	• शिलालेख	शिला (पत्थर) पर लिखा लेख।
• राजदंड	वह दंड जिससे राज्य चलाया जाता है।	• श्मशान	वह स्थान जहाँ मुर्दे (शव) जलाए जाते हैं।
• लोमहर्षक	जिसे देखकर रोम (लोम) खड़े हो जाएँ।	• शयनागार	सोने का कमरा (Bed Room)।
• लाइलाज	जिस रोग का कोई इलाज न हो।	• शिक्षक	जो शिक्षा प्रदान करे।
• लौकिक	इस लोक से सम्बन्धित।	• शाकाहारी	जो शाक (सब्जी) खाता हो, निरामिषभोजी।
• लोकगीत	लोक में प्रचलित गीत।	• शूर्पणखा	जिसके नख सूर्प (सूप) के समान हों।
• लब्धप्रतिष्ठ	जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली हो।	• शिक्षार्थी	जिसका प्रयोजन शिक्षा प्राप्त करना हो।
• लौहपुरुष	जो पुरुष लोहे जैसा दृढ़ (मजदूत) इरादे वाला है।	• शिरोधार्य	सिर पर धारण करने योग्य।
• लिप्सा	पाने की इच्छा।	• शहीद	देश पर मरने वाला।
• लोकतंत्र	वह शासन प्रणाली जो लोक (मत) पर आधृत है।	• सर्वज्ञ	सब कुछ जानने वाला।
• लकड़हारा	लकड़ी काटकर जीवन-यापन करने वाला।	• सार्वजनिक	जिसका सम्बन्ध सर्वजन (जनता) से हो।
• विधुर	जिस पुरुष की पत्नी मर गई हो।	• समशीतोष्ण	समान रूप से ठण्डा और गर्म।
• विधवा	जिस स्त्री का पति मर गया हो।	• सनातन	जो सदा से चला आ रहा हो।
• वीणापाणि	जिसके हाथ में वीणा हो।	• संक्रामक	संक्रमण से फैलने वाला (रोग)।
• विकलांग	जिसका कोई अंग दोषपूर्ण अथवा टूटा-फूटा हो।	• समदर्शी	समान दृष्टि से देखने वाला।
• वैष्णव	विष्णु का उपासक (भक्त)।	• सहोदर	एक ही माँ की सन्तान।
• विश्वसनीय	जो विश्वास करने योग्य हो।	• सपत्नीक	पत्नी के साथ।
• वैध	जो विधि के अनुकूल हो।	• सव्यसाची	जो बाएँ हाथ से बाण चलाने में कुशल हो।
• विदुषी	विद्वान् एवं ज्ञानी महिला।	• स्त्रैण	स्त्रियों जैसी आदत वाला।
• वंदनीय	जो वंदना के योग्य हो।	• संगीतज्ञ	संगीत जानने वाला।
• वाचाल	बहुत ज्यादा बोलने वाला।	• सँपेरा	साँप को पकड़ने वाला तथा साँप का खेल दिखाने वाला।
• विस्थापित	जिसे अपने मूल स्थान से हटाकर अन्यत्र बसाया गया हो।	• सुलभ	जो आसानी से प्राप्त हो।
• विवादित	जो विवाद का विषय हो।	• संदिग्ध	जिसके संबंध में संदेह हो।
• विवक्षा	बोलने की इच्छा।	• सहोदर	एक ही उदर से जन्म लेने वाले।
• विपक्षी	प्रतिपक्षी व्यक्ति।	• सुपाठ्य	जो आसानी से पढ़ा जा सके।
		• सूत्रधार	जो कठपुतली का सूत्र धारण करता है।

संश्लेषण	अलग-अलग अवयवों को परस्पर जोड़ना।
सद्यः प्रसूता	जिसने अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया हो।
संगम	जहाँ दो या अधिक नदियाँ मिलती हों।
सारस्वत	जो सरस्वती से सम्बन्धित हो।
स्थानापन्न	जिसने आकर किसी दूसरे का स्थान लिया हो।
सार्वभौम	जिसका सम्बन्ध सम्पूर्ण भूमि से हो।
समकालीन	एक ही समय के व्यक्ति।
हवि	हवन की जाने वाली सामग्री।
हस्तगत	जो हाथ में आ गया हो।
हंसवाहिनी	हंस जिसका वाहन हो ऐसी स्त्री।
हंसगामिनी	हंस की तरह चलने वाली स्त्री।
हस्तलिखित	जो हाथ से लिखा गया है।
हस्तक्षेप	अन्य के कार्य में दखल देना।
हस्तान्तरित	दूसरे के हाथ सौंपना।
हितैषी	हित की इच्छा रखने वाला।
हरावल	सेना का वह दस्ता जो सबसे आगे रहता है।
हास्यास्पद	हँसने योग्य।
हस्तलाघव	हाथ की चतुराई।
हौदा	हाथी की पीठ पर बैठने के लिए रखी जाने वाली चौकी।
क्षम्य	क्षमा करने योग्य।
क्षणभंगुर	क्षण में टूट जाने वाला।
क्षुधातुर	जो भूख से व्याकुल हो।
त्रिपथगा	तीन पथों से जाने वाली (गंगा)।
त्रिवेदी	तीन वेदों को जानने वाला।
त्रिकालज्ञ	तीनों कालों की बात जानने वाला।
त्रिकुटी	दोनों भौंहों के बीच का स्थान।
त्रिनेत्र	तीन नेत्रों वाला (भगवान शंकर)।
त्रिपदी	तीन टाँगों (पैरों) वाली तिपाई।
ज्ञेय	जो जाना जा सके।
ज्ञाता	जिसे पता हो (जानकारी हो)।
ज्ञातव्य	जो जानने योग्य है।

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

- जिसके पास कुछ भी न हो—
(a) निर्धन (b) अकिंचन
(c) दीनहीन (d) गरीब
उत्तर—(b) अकिंचन
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो सके—
(a) अनुभूति (b) गोचर
(c) अगोचर (d) अतीन्द्रिय
उत्तर—(c) अगोचर

YUKTI ज्ञान—गो का अर्थ इन्द्रियों है।

- जिसका जन्म उच्च कुल में हुआ है—
(a) कुलीन (b) शूद्र
(c) अधिकारी (d) ब्राह्मण
उत्तर—(a) कुलीन
- उपकार को मानने वाला—
(a) उपकारी (b) कृतज्ञ
(c) कृतघ्न (d) उपकृत
उत्तर—(b) कृतज्ञ
- हवन में जलाने वाली लकड़ी—
(a) हवि (b) समिधा
(c) यूप (d) बलि
उत्तर—(b) समिधा
- किये हुये उपकार को न मानने वाला— उत्तराखण्ड टी.ई.टी.
(a) कृतज्ञ (b) कृतघ्न
(c) दुराचारी (d) दुर्जन
उत्तर—(b) कृतघ्न

YUKTI ज्ञान—कृतघ्न = जो अइसान फरामोश हो अर्थात् किए हुए उपकार को न माने, कृतज्ञ = जो किए उपकार को मानता है। दुराचारी = जिसका आचरण खराब हो, दुर्जन = बुरा आदमी।

- तीनों कालों को जानने वाला—
(a) सर्वज्ञ (b) सार्वभौम
(c) त्रिकालदर्शी (d) त्रिकालज्ञ
उत्तर—(d) त्रिकालज्ञ

YUKTI ज्ञान—सार्वभौम = सम्पूर्ण भूमि से सम्बन्धित, सर्वज्ञ = सब कुछ जानने वाला, त्रिकालदर्शी = तीनों कालों को देखने वाला, त्रिकालज्ञ = तीनों कालों को जानने वाला।

- युद्ध की इच्छा वाला—
(a) जिगीषु (b) युयुत्सु
(c) युयुत्सा (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b) युयुत्सु

YUKTI ज्ञान—जिगीषु = जीतने की इच्छा, युयुत्सु = युद्ध की इच्छा वाला, युयुत्सा = युद्ध की इच्छा।

- जो खाने योग्य हो—
(a) खाद्य (b) पेय
(c) गेय (d) खाद्यान्न
उत्तर—(a) खाद्य
- पति-पत्नी का जोड़ा—
(a) युगल (b) दम्पति
(c) जोड़ा (d) जीवन साथी

उत्तर—(b) दम्पति

11. 11 से 15 वर्ष के बालक को कहेंगे—

हरियाणा टी.ई.टी.

- (a) किशोर (b) तरुण
(c) बालक (d) शिशु

उत्तर—(a) किशोर

12. सूर्योदय से पूर्व का समय—

- (a) पूर्वाह्न (b) उषाकाल
(c) प्रदोष काल (d) मध्याह्न

उत्तर—(b) उषाकाल

YUKTI ज्ञान—सूर्योदय से पूर्व का काल जब आकाश में लालिमा होती है।

13. वर्षा की अधिकता को कहेंगे—

- (a) बाढ़ (b) अनावृष्टि
(c) अतिवृष्टि (d) आक्रान्त

उत्तर—(c) अतिवृष्टि

14. जो इन्द्रियों से परे हो—

- (a) अगोचर (b) इन्द्रियातीत
(c) जितेन्द्रिय (d) ये सभी

उत्तर—(b) इन्द्रियातीत

15. कमल से युक्त जलाशय—

- (a) सरोवर (b) जलाशय
(c) पुष्कर (d) नीरज

उत्तर—(c) पुष्कर

16. बहुत सी भाषाओं को जानने वाला—

- (a) बहुभाषाविद् (b) विद्वान्
(c) बहुश्रुत (d) बुद्धिजीवी

उत्तर—(a) बहुभाषाविद्

YUKTI ज्ञान—बहुत सी भाषाओं का जानकार, बहुश्रुत = जिसने बहुत सारे शास्त्र सुने हों, बुद्धिजीवी = बुद्धि पर जीवन-यापन करने वाला, विद्वान् = जिसे विविध विषयों की जानकारी हो।

17. मोक्ष का इच्छुक—

- (a) मुमूर्षु (b) मुमुक्षु
(c) बुभुक्षु (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b) मुमुक्षु

YUKTI ज्ञान—मुमूर्षु = मरने की इच्छा वाला, बुभुक्षु = भूखा, मुमुक्षु = मोक्ष की इच्छा वाला।

18. जीतने की इच्छा वाला—

- (a) जिगीषा (b) जिगीषु
(c) जिज्ञासा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b) जिगीषु

YUKTI ज्ञान—जिगीषा = जीतने की इच्छा, जिगीषु = जीतने की इच्छा वाला, जिज्ञासा = जानने की इच्छा वाला।

19. आधी रात का समय—

- (a) यामिनी (b) शर्वरी
(c) निशा (d) अर्द्धरात्रि

उत्तर—(d) अर्द्धरात्रि

20. आधी रात का आकाश

उत्तराखण्ड टी.ई.टी.

- (a) अन्तर्ध्यान (b) निशीथ
(c) जिगीषा (d) कली

उत्तर—(b) निशीथ

अध्याय 5. वर्तनी एवं विराम चिह्न

5.1 वर्तनी

वर्तनी का तात्पर्य स्पेलिंग या हिज्जे से है। भाषा में कोई शब्द जिस 'वर्णानुक्रम' में लिखा जाता है, उसे वर्तनी (spelling) कहते हैं। उच्चारण की अशुद्धता एवं व्याकरणिक अज्ञान के कारण अधिकतर वर्तनी की भूलें होती हैं। वर्तनी यदि अशुद्ध है तो वाक्य भी अशुद्ध हो जाता है, अतः वाक्य शुद्धि के लिए वर्तनी की शुद्धता भी परम आवश्यक है।

यहाँ प्रमुख शब्दों की सूची प्रस्तुत है, जिनमें वर्तनी की अशुद्धि है—

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अध्यन	अध्ययन	अनाधिकार	अनधिकार
आधुनीक	आधुनिक	आध्यात्म	अध्यात्म
अध्यात्मिक	आध्यात्मिक	अध्यात्मक	आध्यात्मिक
अनुसूया	अनुसूया	आधीन	अधीन
आदिकवी	आदिकवि	अन्तर्ध्यान	अन्तर्धान
आर्शिवाद	आशीर्वाद	अत्योक्ति	अत्युक्ति
अतिशयोक्ति	अतिशयोक्ति	अल्हाद	आह्लाद
अरुड़	अरुण	अधोपतन	अधःपतन
अधीनस्त	अधीनस्थ	अनुवादित	अनूदित
अनुग्रहीत	अनुगृहीत	अनुगृह	अनुग्रह
अनुषंगिक	आनुषंगिक	अहार	आहार
आहिल्या	अहल्या	अन्तर्राष्ट्रीय	अन्तर्राष्ट्रीय
आयुर्वेदिक	आयुर्वेदिक	अवश्यक	आवश्यक
अजमाइश	आजमाइश	अर्ध	अर्द्ध
आर्यवेद	आयुर्वेद	अच्छर	अक्षर
अन्त्यक्षरी	अन्ताक्षरी	अभीमान	अभिमान
अर्थिक	आर्थिक	अतिथी	अतिथि
आजकाल	आजकल	अभ्यारण्य	अभयारण्य
अभीनेता	अभिनेता	अधिग्रहीत	अधिगृहीत
अनाथिनी	अनाथा	आर्द्र	आर्द्र
आवश्यकिय	आवश्यक	अजस्त्र	अजस्र
अन्तर्द्वन्द्व	अन्तर्द्वन्द्व	अध्यावसाय	अध्यवसाय
अपन्हति	अपह्नुति	अनिष्ठ	अनिष्ट

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अभिसेक	अभिषेक	अहर्निशि	अहर्निश	कृतग्य	कृतज्ञ	खुस	खुश
अर्थात्	अर्थात्	अष्टवक्र	अष्टावक्र	खेतीहार	खेतिहार	खम्ब	खंभा
अनुष्ठान	अनुष्ठान	अंधेरा	अँधेरा	खीजना	खीझना	खावेंगे	खाएँगे
अनभिग्य	अनभिज्ञ	आकांछा	आकांक्षा	गत्यावरोध	गत्यवरोध	गीतांजली	गीतांजलि
अगामी	आगामी	इसलिये	इसलिए	गांधी	गाँधी	घोसड़ा	घोषणा
इंदोर	इंदौर	इन्द्रा	इन्दिरा	गोतम	गौतम	ग्रहस्थी	गृहस्थी
ईर्षा	ईर्ष्या	ईर्षालु	ईर्ष्यालु	गोष्ठी	गोष्ठी	गरुण	गरुड़
इकटठा	इकट्ठा	इतवार	इतबार	गृहणी	गृहिणी	गरिष्ठ	गरिष्ठ
ईमारत	इमारत	इमान	ईमान	गोरव	गौरव	घोषड़ा	घोषणा
इन्द्रिय	इन्द्रिय	इस्त्री	स्त्री	गर्भिणी	गर्भिणी	गृहण	ग्रहण
इश्वर	ईश्वर	उन्यासी	उनासी	गौरवता	गौरव	गोतम	गौतम
ऊषा	उषा	उर्मि	ऊर्मि	गीध	गिद्ध	गोपनीय	गोपनीय
उच्छिष्ट	उच्छिष्ट	ऊंट	ऊँट	शूय	शून्य	घ्रणा	घृणा
उन्नती	उन्नति	उन्नतिशील	उन्नतशील	घत	घृत	घन्टा	घंटा
उष्मा	ऊष्मा	उज्जयनी	उज्जयिनी	घनिष्ट	घनिष्ठ	घोश	घोष
उपलच्छ	उपलक्ष्य	उत्तरदाई	उत्तरदायी	चाक्षुस	चाक्षुष	चातुर्यता	चातुराई, चातुर्य
उद्योगीकरण	औद्योगीकरण	उदार्य	औदार्य	चाहिये	चाहिए	चिन्ह	चिह्न
ओषधि	औषध	आभूषड़	आभूषण	चर्मोत्कर्ष	चरमोत्कर्ष	चच्छु	चक्षु
उज्जवल	उज्ज्वल	उपरोक्त	उपर्युक्त	चक्षुष	चाक्षुष	छिपकिली	छिपकली
एकतारा	इकतारा	एश्वर्य	ऐश्वर्य	चन्चल	चंचल	दूकान	दुकान
एतिहासिक	ऐतिहासिक	एकत्रित	ऐतरेय	चामर	चावल	चिकिर्षा	चिकीर्षा
एच्छिक	ऐच्छिक	ऐक्यता	ऐक्य	छमा	क्षमा	छिद्रान्वेशी	छिद्रान्वेषी
एकट	ऐकट	एकचित्र	एकत्र	छडवाँ	छठा	छिप्र	क्षिप्र
ओकात	औकात	ओचित्य	औचित्य	छुद्र	क्षुद्र	ज्योत्सना	ज्योत्स्ना
कवी	कवि	कालीदास	कालिदास	जबरजस्ती	जबरदस्ती	जरुरत	जरूरत
कविन्द्र	कवीन्द्र	कुशाड़	कुषाण	जमना	यमुना	जागृत	जाग्रत
क्रषी	कृषि	क्रति	कृति	जागरित	जागृति	जोग	योग, योग्य
क्रपा	कृपा	कुष्ट	कुष्ठ	जेस्ट	ज्येष्ठ	जिभ्या	जिह्वा
कोमुदी	कौमुदी	कृतघ्नी	कृतघ्न	तदोपरान्त	तदुपरान्त	तत्कालिक	तात्कालिक
करुणा	करुणा	कामनी	कामिनी	त्रिपुरारी	त्रिपुरारि	तमाखू	तम्बाकू
कालंदी	कालिन्दी	कदम	कदम्ब	तड़ित	तडित	तेजमय	तेजोमय
कीजिये	कीजिए	क्योंकी	क्योंकि	तिरष्कार	तिरस्कार	दीवाली	दीपावली
कनिष्ट	कनिष्ठ	कवियत्री	कवयित्री	तिथी	तिथि	तिर्थकर	तीर्थकर
कविओं	कवियों	कोमलांगिनी	कोमलांगी	तितालिस	तैतालीस	तपश्या	तपस्या
कोतूहल	कौतूहल	कृत्यकृत्य	कृतकृत्य	तदनुसारी	तदनुसार	तत्वाध्वन	तत्वावधान
क्रियायें	क्रियाएँ	किंचित	किंचित	तनखा	तनखाह	तदंतर	तदनंतर
कृशांगिनी	कृशांगी	क्रियाक्रम	क्रियाकर्म	देविक	दैविक	दोगुना	दुगुना
कीर्ती	कीर्ति	कविन्द्र	कवीन्द्र	द्वेश	द्वेष	दुख	दुःख
कवित्री	कवयित्री	क्लेश	क्लेश	दुःखी	दुखी	दिनाँक	दिनांक
कटीला	कँटीला	कंगा	कंधा	दाइत्व	दायित्व	दारिद्रता	वरिद्रता

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
• दंडायन	दाण्डायन	• दीच्छा	दीक्षा	• बहोत	बहुत	• बनस्पति	वनस्पति
• दुसाध्य	दुस्साध्य	• दृष्टा	द्रष्टा	• विचारा	बेचारा	• बेजती	बेइज्जती
• द्वन्द्व	द्वन्द्व	• दधीच	दधीचि	• ब्रह्तर	बृहत्तर	• वृहद्	बृहत्
• द्वारिका	द्वारका	• धुरंधर	धुरंधर	• बाधा	वाधा	• बाहुल्यता	बहुलता
• धातव्य	ध्यातव्य	• धैर्यता	धैर्य	• बंदना	वंदना	• बाहु	बाहु
• नर्वदा	नर्मदा	• नराज	नाराज	• वेईमान	बेईमान	• बिन्दू	बिन्दु
• निरभिमान	निरभिमान	• निरुत्साह	निरुत्साहित	• बृज	ब्रज	• बारात	बरात
• निस्तर	निस्सार	• नही	नहीं	• ब्रम्ह	ब्रह्म	• ब्राम्हण	ब्राह्मण
• नयी	नई	• निसंदेह	निस्संदेह	• बेफिजूल	फिजूल	• बजार	बाजार
• पौरुषत्व	पौरुष	• न्यूनधिक	न्यूनाधिक	• ब्रह्स्पति	बृहस्पति	• भाग्यमान	भाग्यवान्
• निर्दयी	निर्दय	• निर्धनी	निर्धन	• भरतरी	भर्तृहरि	• भगन	भग्न
• निस्प्राण	निष्प्राण	• निर्लोभी	निर्लोभ	• भंगन	भंगिन	• भरथ	भरत
• निरपराधी	निरपराध	• नीलमा	नीलिमा	• भारथ	भारत	• भ्रम	भ्रम
• नुपुर	नूपुर	• नायका	नायिका	• भोगोलिक	भौगोलिक	• भ्रत्य	भृत्य
• निस्वार्थ	निस्वार्थ	• निरोग	नीरोग	• भ्रांती	भ्रांति	• भूमी	भूमि
• निरपेक्ष	निरपेक्ष	• नरायण	नारायण	• भिक्षा	भिक्षा	• भिभीषण	विभीषण
• नराच	नाराच	• नदियों	नदियों	• भगीरथी	भागीरथी	• भाषाएँ	भाषाएँ
• पड़ोसन	पड़ोसिन	• परिवेक्षक	पर्यवेक्षक	• भृकुटी	भृकुटि	• भगवत गीता	भगवद्गीता
• परिमाजित	परिमाजित	• परणीता	परिणीता	• भाग्यवान	भाग्यवान्	• भिकारी	भिखारी
• पाली भाषा	पालि भाषा	• पुरस्कार	पुरस्कार	• भास्कर	भास्कर	• माधुर्यता	माधुर्य
• पुनरावलोकन	पुनरावलोकन	• पुनरोत्थान	पुनरुत्थान	• मधू	मधु	• महत्त्व	महत्त्व
• पतञ्जली	पतञ्जलि	• पत्नि	पत्नी	• मंजू	मंजु	• मिथलेशकुमारी	मिथिलेशकुमारी
• प्रमाणिक	प्रामाणिक	• प्रौद्योगिकी	प्रौद्योगिकी	• मैथिलीशरण	मैथिलीशरण	• मेघनाथ	मेघनाद
• प्रागैतिहासिक	प्रागैतिहासिक	• परिस्थिति	परिस्थिति	• मजदूरी	मजदूरी	• मान्यनीय	माननीय
• परियाय	पर्याय	• पुनर्जन्म	पुनर्जन्म	• मुरारी	मुरारि	• मृन्मय	मृन्मय
• पकोड़ी	पकौड़ी	• परीक्षा	परीक्षा	• मत्सेन्द्र	मत्सेन्द्र	• महात्म	माहात्म्य
• परीक्षित	परिचित	• पिताम्बर	पीताम्बर	• मानवीकरण	मानवीकरण	• मर्तक	मृतक
• पितरऋण	पितृऋण	• पिजड़ा	पिंजरा	• मरीच	मारीच	• मिठाई	मिठाई
• पातंजल	पातंजलि	• पांडे	पांडेय	• मक्षर	मच्छर	• मनुष्य	मनुष्य
• पुरोहित	पुरोहित	• पौदा	पौधा	• मतबल	मतलब	• मर्तक	मृतक
• पैत्रिक	पैतृक	• परिप्रेक्ष	परिप्रेक्ष्य	• मध्यान्ह	माध्याह्न	• मद्धम	मद्धिम
• परिणित	परिणत	• परणीता	परिणीता	• मिष्टान्न	मिष्टान्न	• मिहिर	मिहिर
• परंतू	परंतु	• पट्ट	पट	• मिलित	मीलीति	• मंत्रीमण्डल	मंत्रिमण्डल
• पट्ट	पटु	• परमाण	परिमाण	• मनःकामना	मनोकामना	• मात्रभूमि	मातृभूमि
• पुत्रेषण	पुत्रैषणा	• पूँछना	पूछना	• मायाबी	मायावी	• माँसाहारी	मांसाहारी
• पृष्ठ	पृष्ठ	• प्रशंसा	प्रशंसा	• मार्दवता	मार्दव	• मानों	मानो
• पूजनीय	पूजनीय	• प्रदर्शनी	प्रदर्शनी	• मुकंद	मुकुंद	• संगृह	संग्रह
• परिशिष्ट	परिशिष्ट	• परिषद	परिषद्	• यशगान	यशोगान	• यच्छ	यक्ष
• फटकरी	फिटकरी	• बंधू	बंधु	• यग्य	यज्ञ	• युधिष्ठिर	युधिष्ठिर
• बन	वन	• बंजारन	बंजारिन	• यथेष्ट	यथेष्ट	• यकृत	यकृत

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
यर्थाथ	यथार्थ	रमायन	रामायण
राज्यकीय	राजकीय	रचैता	रचयिता
रचियता	रचयिता	रुची	रुचि
रुक्ष	रूक्ष	राजाभिषेक	राज्याभिषेक
रितु	ऋतु	रिषी	ऋषि
रिण	ऋण	रात्री	रात्रि
रवी	रबी, रवि	रविन्द्र	रवीन्द्र
रागनी	रागिनी	रमन	रमण
राच्छस	राक्षस	रघू	रघु
रंगाई	रँगई	रच्छक	रक्षक
लब्ध प्रतिष्ठित	लब्ध प्रतिष्ठ	लीजिये	लीजिए
लोकेषणा	लोकैषणा	बाल्मीक	बाल्मीकि
बृजभाषा	ब्रजभाषा	व्यवहारिक	व्यावहारिक
व्योपार	व्यापार	वस्तुयें	वस्तुएँ
विसाद	विषाद	विक्षू	विक्षू
विमर्ष	विमर्श	विछुब्ध	विक्षुब्ध
विजई	विजयी	विधी	विधि
वधु	वधू	व्यंग	व्यंग्य
वृद्धी	वृद्धि	वस्तू	वस्तु
वेशभूषा	वेशभूषा	विशाद	विषाद
वाकपटु	वाक्पटु	शाशक	शासक
वरिष्ठ	वरिष्ठ	विप्रीत	विपरीत
वाहनी	वाहिनी	व्यस्क	वयस्क
विपच्छ	विपक्ष	विदीत	विदित
विभीषन	विभीषण	बहिरंग	बहिरंग
विरहणी	विरहिणी	विदेशिक	वैदेशिक
विदयार्थी	विद्यार्थी	वृद्धिकरण	वृद्धीकरण
शाशकीय	शासकीय	शूषणखाँ	शूर्पणखा
श्रंगार	शृंगार	श्रगाल	शृगाल
श्रंखला	शृंखला	षटमास	षणमास
षष्ठी	षष्ठ	सुलोचनी	सुलोचना
सन्मान	सम्मान	सौजन्यता	सौजन्य
सामिग्री	सामग्री	सरोजनी	सरोजिनी
साच्छी	साक्षी	स्त्रीण	स्त्रैण
सुकेशिनी	सुकेशी	सदृश्य	सदृश
सदोपदेश	सदुपदेश	सलज्जित	सलज्ज
सप्ताहिक	साप्ताहिक	साच्छर	साक्षर
साहित्यिक	साहित्यिक	सिंघासन	सिंहासन
सीधा-साधा	सीधा-सादा	सृष्टा	स्रष्टा
सष्टि	सृष्टि	श्राप	शाप

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
स्त्रोत	स्रोत	श्रोत	स्तोत्र
स्वास्तिक	स्वस्तिक	स्वस्थ	स्वस्थ
सौन्दर्यता	सुन्दरता	स्वादिष्ट	स्वादिष्ट
संस्कर्ण	संस्करण	संसंदसदस्य	संसत्सदस्य
सतगुण	सद्गुण	सम्मती	सम्मति
संधी	संधि	समर्पन	समर्पण
सवी	सब, सभी	सहास	साहस
सिन्दुर	सिंदूर	सीड़ी	सीढ़ी
हिरणाकश्यप	हिरण्यकशिपु	हिन्दुस्थान	हिन्दुस्तान
हितैषी	हितैषी	हरद्वार	हरिद्वार
हिमालया	हिमालय	हतभागिनी	हतभाग्या
हृदय	हृदय	हस्ताक्षेप	हस्तक्षेप
हिस्त्र	हिस	हिरास	हास
हितैशी	हितैषी	हिन्दुस्थान	हिन्दुस्तान
हिंदुओं	हिंदुओं	हिंदु	हिन्दु
इक्षा	इच्छा	त्रिमासिक	त्रैमासिक
क्षती	क्षति	अनेकों	अनेक
अन्तरजातीय	अन्तर्जातीय	अन्तर्साक्ष्य	अन्तःसाक्ष्य
बहिद्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व	स्वास्थ	स्वास्थ्य
कुशलक्षेम	कुशलक्षेम	नखलऊ	लखनऊ
प्रझाम	प्रणाम		

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

निम्न शब्दों की सही वर्तनी का चयन कीजिए—

- (a) कवियत्री (b) कवित्री उ.प्र. टी.ई.टी.
(c) कवयित्री (d) कवियित्री
उत्तर—(c) कवयित्री
 - (a) उज्जवल (b) उज्ज्वल
(c) उज्जल (d) उज्वल
उत्तर—(b) उज्ज्वल
- YUKTI** ज्ञान—उत् + ज्वल = व्यंजन संधि है।
- (a) श्राप (b) शाप
(c) साप (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b) शाप
 - (a) ज्योत्सना (b) ज्योतिस्ना
(c) ज्योत्स्ना (d) ज्योतिसना
उत्तर—(c) ज्योत्स्ना
 - (a) जजीविशा (b) जिजीविषा
(c) जिजिविशा (d) जिजविषा
उत्तर—(b) जिजीविषा

6. (a) अतियुक्ति (b) अत्युक्ति हरियाणा टी.ई.टी.
(c) अत्योक्ति (d) अतिउक्ति
उत्तर—(b) अत्युक्ति
7. (a) अन्तर्ध्यान (b) अन्तर्धान
(c) अन्तर्ध्यान (d) अन्तरध्यान
उत्तर—(b) अन्तर्धान
8. सही वर्तनी कौन-सी है?
(a) सुश्रूषा (b) शुश्रूषा
(c) शुश्रूषा (d) सुश्रूसा
उत्तर—(a) सुश्रूषा
9. (a) सौहार्द (b) सौहार्द्र
(c) सौहार्द्र (d) सौहार्द
उत्तर—(a) सौहार्द
10. (a) प्रशंसा (b) प्रशंसा
(c) प्रशंशा (d) प्रशन्सा
उत्तर—(b) प्रशंसा
11. निम्न में से कौन-सा शब्द शुद्ध है?
(a) इक्षा (b) रचैता
(c) हरद्वार (d) सौजन्य
उत्तर—(d) सौजन्य
12. कौन-सा शब्द अशुद्ध है?
(a) रचयिता (b) अन्तराष्ट्रीय
(c) सलज्ज (d) प्रदर्शनी
उत्तर—(b) अन्तराष्ट्रीय
13. कौन-से शब्द की वर्तनी शुद्ध है?
(a) शाप (b) हतभागिनी
(c) माधुर्यता (d) हितेषी
उत्तर—(a) शाप

YUKTI ज्ञान—माधुर्यता के स्थान पर माधुर्य, हितेषी के स्थान पर हितैषी, हतभागिनी के स्थान पर हतभाग्या शुद्ध होगा, परन्तु शाप शुद्ध वर्तनी है।

14. सही वर्तनी वाला शब्द चुनिए—
(a) कालीदास (b) युधिष्ठिर
(c) बाल्मीक (d) मैथलीशरण
उत्तर—(b) युधिष्ठिर

YUKTI ज्ञान—कालीदास के स्थान पर कालिदास, बाल्मीक के स्थान पर बाल्मीकि, मैथलीशरण के स्थान पर मैथिलीशरण शुद्ध है। युधिष्ठिर शुद्ध वर्तनी है।

15. सही वर्तनी बताइए—
(a) सम्बत (b) संवत्
(c) समवत् (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b) संवत्

5.2 विराम चिह्न

विराम का अर्थ है—ठहरना। ये भाषा के आवश्यक अंग हैं, क्योंकि लिखित भाषा में अर्थ की स्पष्टता विराम चिह्नों से ही आती है।

- ◆ भाषा की सुस्पष्टता एवं अर्थ की उचित अभिव्यक्ति के लिए विराम चिह्न अत्यावश्यक हैं। इनके अभाव में भाषा अपूर्ण है। एक उदाहरण से बात स्पष्ट होगी—

रोको, मत जाने दो। — अर्थात् रोकना है, जाने नहीं देना है।

रोको मत, जाने दो। — अर्थात् रोकना नहीं है, जाने देना है।

ऊपर लिखे दोनों वाक्यों में शब्द एक से हैं केवल अल्प विराम (,) का स्थान बदल दिया गया है, किन्तु दोनों वाक्यों का अर्थ एक-दूसरे के विपरीत हो गया है।

हिन्दी में विराम चिह्नों के प्रयोग को 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने प्रोत्साहित किया। उन्होंने लेखकों और कवियों को विराम चिह्नों की महत्ता से अवगत कराया।

हिन्दी में प्रयुक्त विराम चिह्न

विराम चिह्न का नाम	चिह्न	अंग्रेजी नाम
• अल्प विराम	,	Comma
• अर्द्ध विराम	;	Semicolon
• पूर्ण विराम	।	Full Stop
• प्रश्नवाचक चिह्न	?	Sign of Interrogation
• विस्मयादि बोधक चिह्न	!	Sign of Exclamation
• योजक चिह्न	—	Hyphen
• निर्देशक चिह्न	—	Dash
• विवरण चिह्न	: —	Colon Dash
• उद्धरण चिह्न	' ' " "	Single and Double inverted commas
• कोष्ठक चिह्न	()	Brackets
• संक्षेप चिह्न	.	Dot
• हंसपद चिह्न	λ	Lamda
• लोपसूचक चिह्न	xxx	Cross
• पुनरुक्ति चिह्न	" "	As on
• तारक चिह्न	*	Star

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न वाले विकल्प का चयन कीजिए—

1. नहीं तुम वहाँ नहीं जाओगे। नहीं के बाद कौन-सा चिह्न लगेगा?

- (a) अल्पविराम (b) अर्द्धविराम
(c) पूर्ण विराम (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(d) अल्प विराम—नहीं, तुम वहाँ नहीं जाओगे।

2. तुम क्या काम करते हो—वाक्य के अन्त में कौन-सा विराम चिह्न प्रयुक्त होगा?

- (a) विस्मयादिबोधक (b) पूर्ण विराम
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c) प्रश्नवाचक चिह्न — तुम क्या काम करते हो?
3. वाह कितनी सुन्दर कविता है। मैं वाह के बाद कौन-सा चिह्न लगेगा।
(a) अल्पविराम (b) अर्द्धविराम
(c) उद्धरण चिह्न (d) विस्मयादिबोधक चिह्न
उत्तर—(d) विस्मयादिबोधक चिह्न; यथा—वाह ! कितनी सुन्दर कविता है।
4. तुलसीदास ने रामचरितमानस नामक महाकाव्य लिखा। इस वाक्य में रामचरितमानस पर कौन-सा विराम चिह्न लगेगा ?
(a) अल्प विराम (b) कोष्ठक चिह्न
(c) उद्धरण चिह्न (d) विस्मयादिबोधक चिह्न
उत्तर—(c) उद्धरण चिह्न; यथा — तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना की।
5. शुक्ल जी ने लिखा है—वैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है, इस वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्न होंगे—
(a) उद्धरण चिह्न, पूर्ण विराम
(b) प्रश्नवाचक चिह्न, पूर्ण विराम
(c) विस्मयादिबोधक चिह्न, अल्पविराम
(d) अर्द्ध विराम, अल्प विराम
उत्तर—(a) उद्धरण चिह्न, पूर्ण विराम; यथा—'वैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।'
6. उचित विराम चिह्न लगाइये—
साहित्य की अनेक विधाएँ हैं, कविता कहानी उपन्यास नाटक और आलोचना आदि
(a) साहित्य की अनेक विधाएँ हैं—कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक और आलोचना आदि।
(b) साहित्य की अनेक विधाएँ हैं : — कविता; कहानी; उपन्यास; नाटक और आलोचना आदि।
(c) साहित्य की अनेक विधाएँ हैं; कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक और आलोचना आदि।
(d) साहित्य की अनेक विधाएँ हैं? कविता—कहानी, उपन्यास—नाटक और आलोचना आदि।
उत्तर—(a) साहित्य की अनेक विधाएँ हैं—कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक और आलोचना आदि।
7. 'तत्पुरुष समास' में विभक्ति लोप को सूचित करने के लिए दोनों पदों के बीच प्रयुक्त होता है—
(a) निर्देशक चिह्न (b) योजक चिह्न
(c) विवरण चिह्न (d) अल्पविराम
उत्तर—(b) योजक चिह्न; यथा—मार्ग-व्यय, पथ-भ्रष्ट, चरण-कमल।
8. प्रश्नवाचक चिह्न कहाँ लगता है ?
(a) वाक्य के प्रारम्भ में
(b) जिस वाक्य से उत्तर की अपेक्षा हो उसके अन्त में

- (c) वाक्य में कहीं भी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b) जिस वाक्य से उत्तर की अपेक्षा हो उसके अन्त में; यथा—तुम्हारा नाम क्या है?
9. जब वाक्य अर्थ की दृष्टि से पूर्ण हो गया हो तो कौन-सा विराम चिह्न लगता है ?
(a) प्रश्नवाचक चिह्न (b) विस्मयादिबोधक
(c) लोप सूचक (d) पूर्ण विराम
उत्तर—(a) पूर्ण विराम; यथा मोहन घर गया।
10. हर्ष व्यक्त करने या घृणा व्यक्त करने के लिए कौन-सा चिह्न प्रयुक्त होता है ?
(a) विस्मयादिबोधक (b) प्रश्नवाचक
(c) लोपसूचक (d) हंसपद चिह्न
उत्तर—(a) विस्मयादिबोधक यथा—छिः! कितनी बदबू आ रही है।

अध्याय 6. वाक्य विचार

वाक्य सार्थक शब्दों (पदों) का व्यवस्थित क्रम है। वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द ही पद कहे जाते हैं। जैसे—राम पुस्तक पढ़ता है। इस वाक्य में राम कर्ता पद, पुस्तक कर्म पद और पढ़ता है क्रिया पद है। इन तीनों की एक व्यवस्था है अतः यह एक सार्थक वाक्य है।

YUKTI ज्ञान—भाषा वाक्यों से बनती है। वाक्य शब्दों (पदों) से और शब्द वर्णों से तथा वर्ण ध्वनियों से। इस प्रकार भाषा की न्यूनतम इकाई ध्वनि (ध्वनि के पुनः खण्ड नहीं हो सकते) कहलाती है।

- ♦ वाक्य के दो तत्त्व होते हैं—उद्देश्य (जिसके विषय में कुछ कहा गया हो) और विधेय (अर्थात् उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा गया हो)। जैसे—राम पुस्तक पढ़ता है। इस वाक्य का उद्देश्य है—राम तथा विधेय है—पुस्तक पढ़ता है।

6.1 रचना की दृष्टि से वाक्य भेद

रचना की दृष्टि से वाक्य तीन प्रकार के होते हैं—

- (1) साधारण (सरल) वाक्य
- (2) संयुक्त वाक्य
- (3) मिश्रित वाक्य

(1) **साधारण वाक्य**—इसमें एक उद्देश्य और एक विधेय होता है। ऐसा वाक्य, जिसमें केवल एक क्रिया पद होता है, 'साधारण वाक्य' होता है। इसे सरल वाक्य भी कहते हैं। जैसे—मोहन खाना खाता है।

(2) **संयुक्त वाक्य**—संयुक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और दूसरा समानाधिकरण उपवाक्य होता है और दोनों वाक्य ऐसे संयोजक से जुड़े रहते हैं कि वे अर्थ की दृष्टि से स्वतन्त्र हों, अर्थात् एक-दूसरे पर आश्रित न हों।

संयुक्त वाक्य बनाने के लिए प्रयुक्त संयोजक चार प्रकार के हो सकते हैं—

- (i) **समुच्चयबोधक संयोजक**—और, तथा, एवं
- (ii) **विकल्पसूचक संयोजक**—या, अथवा
- (iii) **परिणामवाचक संयोजक**—अतः, इसलिए, अतएव
- (iv) **विरुद्धतावाचक संयोजक**—पर, लेकिन, परन्तु, किन्तु।